शनिवार के दिन माँ काली लाऊँ भोग मैं लिरिक्स

माँ काली री तेरे चरणों में,
जाऊँ लोट मैं,
शनिवार के दिन माँ काली,
लाऊँ भोग मैं।bd।

माँ काली मेरे मन में बसग्या,
रूप तेरा विकराल री,
संकट काट दिये मने,
दिखे जो जंजाल री,
कद सी आकै दर्शन देवैं,
होरया सोच मैं,
शनिवार के दिन मां काली,
लाऊँ भोग मैं।bd।

सबतै न्यारा रूप तेरा री,
इस सारे जहान में,
काला काला रूप तेरा री,
ला बैठया जब ध्यान में,
भूता की तु नाड़ तोड़े,
पेड़े के भोग में,
शनिवार के दिन मां काली,
लाऊँ भोग मैं।bd।

दुनिया के मै घूम लिया,
मेरा कटता किते रोग नहीं,
तेरी शरण जो भी आता,
रहता उसका रोग नहीं,
संकट ने तू मार भगावै,
पहली चोट में,
शनिवार के दिन मां काली,
लाऊँ भोग मैं।bd।

'लक्की शर्मा' तेरी दया तै,
खूब करें प्रचार री,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बलराज भगत माँ शामदो आला,
ना करता सोच विचार री,
दुखिया का यू बनता सहारा,
तेरी ओट तै,
शनिवार के दिन मां काली,
लाऊँ भोग मैं।bd।

माँ काली री तेरे चरणों में,
जाऊँ लोट मैं,
शनिवार के दिन माँ काली,
लाऊँ भोग मैं।bd।

गायक – लक्की शर्मा।
लेखक – पंडित बलराज शर्मा।
8883000119

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com